Central Asia, Mongolia and Tibet. He organised the ethnological, linguistic as well as botanical and zoological survey of some of the Western Himalayan Regions. He was honoured by many countries and was Fellow of various academies and numerous educational, scientific and cultural bodies throughout the world. His paintings are the prized possession of leading Museums and collection all over the globe.

A friend of Nehru, Radhakrishnan and Tagore, Roerich loved India and its people as he loved his own. He enshrined that love and the spirit of India in his many glorious paintings of the Himalayas, which earned him the reputation, "Master of the Mountains." Roerich died in Naggar, Kulu on 13th December, 1947.

The Posts and Telegraphs Department deems it a privilege to commemorate the birth centenary of Prof. Roerich by the issue of a postage stamp.

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of issue	..	9-10-74
मूल्य वर्ग Denomination	..	1 रु. Re.
कुल आकार Overall size	..	3.91×2.90 सें.मी. cms.
मुद्रण आकार Printing size	..	3.56×2.54 सें.मी. cms.
प्रति शीट संख्या Number per issue sheet	..	35
रंग Colour	..	पीला और भूरा Yellow and Grey
छिद्रण Perforation	..	13×13

मुद्रित टिकटों की संख्या Number Printed	..	30,00,000
जलचिह्न Watermark	..	बिना जलचिह्न वाले चिपचिपे स्टाम्प कागज पर मुद्रित Unwatermarked adhesive stamp paper
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	..	फोटोग्रेव्योर Photogravure
डिज़ाइन और मुद्रण Designed and Printed at	..	भारत प्रतिभूति मुद्रणालय India Security Press

डिज़ाइन का विवरण

इस डाक-टिकट का अभिप्राय हेनरी ड्राप्सी द्वारा तैयार किए गए निकोलाई रोयरिख के एक तमगे से ग्रहण किया गया है ।

DESCRIPTION OF DESIGN

A medallion of Nicholas Roerich done by Henry Dropsy has been adopted as the motif of the stamp.

बिक्री की शर्तें

विदेशों से नये डाक-टिकट व प्रथम दिवस आवरण के आर्डर भारतीय डाक-टिकट संकलन ब्यूरो, बड़ा डाकघर, बम्बई-400001 के पते पर भेजिये । आर्डर के साथ ऐसा बैंक ड्राफ्ट या क्रॉस चेक भी भेजिये जो भारत में भुनाया जा सके ।

TERMS OF SALE

Overseas orders for the supply of the new stamps and First Day Covers should be addressed to the **Indian Philatelic Bureau, G.P.O.,** Bombay-400001 and be accompanied by a bank draft or crossed cheque encashable in India.

भारतीय डाक-तार विभाग
INDIAN POSTS & TELEGRAPHS

मूल्य
Price 10 पै० P.

Produced by the Directorate of Advertising & Visual Publicity, Ministry of I. & B., Govt. of India, New Delhi for the Indian Posts & Telegraphs Department and printed at the National Printing Works, Delhi-110006.

7/13/74—PPI.

davp

भारत INDIA

निकोलाई रोयरिख
स्मारक डाक-टिकट

NICHOLAS ROERICH
COMMEMORATION STAMP

9-10-1974

'इन ब्यूटी वी आर यूनाइटेड
थ्रू ब्यूटी वी प्रे
विथ ब्यूटी वी कांकर'

(हम सभी सौंदर्य-पाश से बंधे हैं,
सुंदरता हमारी आराधना का सोपान है,
सौंदर्य से ही हमारी विजय है)

——यह था बहुमुखी प्रतिभा वाले प्रो. निकोलाई रोयरिख का जीवन-दर्शन । उनकी रचनात्मक गतिविधियां विविध और प्रचुर थीं । इनके कारण उन्होंने अनेक क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी ।

रोयरिख एक श्रेष्ठ कलाकार, वैज्ञानिक, शिक्षक, दार्शनिक, लेखक, अभिकल्पक, कवि, मानवतावादी और अन्वेषक थे । इनका जन्म रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में तारीख 9 अक्तूबर, 1874 को हुआ था । इनकी शिक्षा सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय में हुई । वे इस विश्वविद्यालय में एक ही समय अनेक संकायों में अध्ययन करते रहे । बाद में विदेशों में उन्होंने कला का अध्ययन जारी रखा । विदेशों में शिक्षा के क्षेत्र में वैभवशाली सफलता प्राप्त कर सन् 1924 में वे भारत आए । यहां आकर उन्होंने मध्य एशिया के पर्वतीय क्षेत्रों में एक पंचवर्षीय कलात्मक/वैज्ञानिक अभियान का नेतृत्व किया । सन् 1928 में वे हिमालय की कुल्लू घाटी में आकर बस गए और अपने जीवन के अन्त तक वहीं रहे ।

रोयरिख को अल्पवय में ही मान्यता और प्रसिद्धि

प्राप्त हो गई थी । युवावस्था में ही बहुत से महत्वपूर्ण कार्य उन्हें सौंपे गए थे । एक कलाकार के रूप में उन्होंने जो रचनात्मक कार्य किया, वह प्रचुर मात्रा में था । अनेक भित्ति-चित्रों के अलावा उन्होंने लगभग 7000 रंगीन चित्र बनाये थे और साथ ही रूस के अनेक गिरजाघरों व सार्वजनिक इमारतों के लिए पच्चीकारी (मोज़ेक) की उत्कृष्ट डिज़ाइनें तैयार कीं ।

लेखक के रूप में भी उनकी रचनाओं की संख्या पर्याप्त है । कला, संस्कृति, पुरातत्त्व और दार्शनिक विषयों पर उन्होंने अनेक पुस्तकें, विविध लेख और निबंध लिखे । उनका प्रकाशित साहित्य लगभग 30 जिल्दों में है, जिनमें कविताएं और नाटक सम्मिलित हैं ।

रोयरिख विश्व शान्ति के लिए प्रयत्न करने वाले एक महान सांस्कृतिक नेता और कार्यकर्त्ता थे । उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सौंदर्य और ज्ञान से मानवीय एकता स्थापित हो सकती है । वे अनेक देशों की सांस्कृतिक संस्थाओं और समितियों के संस्थापक और प्रेरक थे । उन्होंने शान्ति और बेहतर अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव की स्थापना के लिए प्रयत्न किये । विश्व शांति की दिशा में उनका महान योगदान वह अंतर्राष्ट्रीय समझौता (पैक्ट) था, जिसके तहत युद्ध और नागरिक उथलपुथल के दौरान कला-निधियों और शैक्षणिक व वैज्ञानिक संस्थाओं की रक्षा की व्यवस्था की गयी ।

अपने मानवतावादी कार्य में उन्हें अपनी पत्नी हैलेना और वैज्ञानिक व महान प्राच्यवेत्ता जार्ज तथा

प्रतिभाशाली कलाकार स्वेतोस्लाव नामक दो पुत्रों से बड़ा सहयोग मिला ।

प्रो. रोयरिख ने सारे विश्व का भ्रमण किया था । मध्य एशिया, मंगोलिया और तिब्बत में अनेक अभियानों का नेतृत्व उन्होंने किया । कुछ पश्चिमी हिमालय के क्षेत्रों में उन्होंने मानव-वंशीय (एथनालाजिकल), भाषा वैज्ञानिक, वानस्पतिक और प्राणि-जगत संबंधी सर्वेक्षणों का प्रबंध किया । अनेक देशों ने इनका सम्मान किया था और वे विश्व की विभिन्न अकादमियों, अनेक शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के फैलो भी रहे । इनकी चित्रकला के नमूने विश्व के बड़े-बड़े संग्रहालयों में व कला-संग्रहों की शोभा बढ़ा रहे हैं ।

नेहरू, राधाकृष्णन् और रवींद्रनाथ ठाकुर रोयरिख के घनिष्ठ मित्रों में थे । उन्हें भारत और भारत के लोगों से उतना ही प्यार था जितना अपने देश व देशवासियों से । उन्होंने अपना यह प्रेम और भारतीय भावना को हिमालय पर आधारित अपने अनेक यशस्वी चित्रों में अंकित किया है । इन्हीं चित्राकृतियों के कारण उन्हें 'मास्टर आफ दि माउन्टेन्स' यानी 'पर्वतों के आचार्य' के रूप में ख्याति मिली । इनका देहान्त 13 दिसम्बर, 1947 को नग्गर, कुल्लू में हुआ था ।

प्रो. रोयरिख की जन्म-शताब्दी के अवसर पर एक स्मारक डाक-टिकट निकालकर डाक-तार विभाग गौरव का अनुभव कर रहा है ।

'In Beauty we are united
Through Beauty we pray
With Beauty we conquer'.

Thus was the philosophy of the many-sided genius, Professor Nicholas Roerich, whose varied and prolific creative activities earned him an international reputation in a number of fields.

A master-artist, scientist, educator, philosopher, writer, designer, poet, humanitarian, explorer, Roerich was born in St. Petersburg, Russia on 9th October, 1874, and was educated at the University of St. Petersburg, where he attended several faculties simultaneously. Later, he continued his studies of Art abroad. After a brilliant academic career abroad, he came to India in 1924, where he led a 5 year artistic/scientific expedition through the mountainous regions of Central Asia. In 1928 he settled in the Kulu valley in the Himalayas where he lived the rest of his life.

Roerich achieved recognition and fame very early in life and was entrusted with some very important assignments when he was quite young. His creative output as

an artist was enormous; he painted some 7000 paintings besides many murals and designed outstanding mosaics for churches and public buildings in Russia.

He was also a prolific writer and wrote many books and innumerable articles, essays on Art, Culture, Archaeology and Philosophic subjects. His published works comprise some 30 volumes, which include his Poems and Plays.

A great cultural leader and worker for world peace, Roerich stressed that beauty and knowledge would unite humanity. He was the founder and inspirer of cultural institutions and societies in many countries. He worked for peace and better international understanding and one of his outstanding contributions to World Peace was his International Pact for the protection of Art Treasures and Educational and Scientific Institutions in times of war and civil commotions.

His humanitarian work was greatly assisted by his wife, Helena, and their two sons, George—a scientist and distinguished orientalist—and Svetoslav, the gifted artist.

Prof. Roerich travelled all over the world and led extensive expeditions to

Central Asia, Mongolia and Tibet. He organised the ethnological, linguistic as well as botanical and zoological survey of some of the Western Himalayan Regions. He was honoured by many countries and was Fellow of various academies and numerous educational, scientific and cultural bodies throughout the world. His paintings are the prized possession of leading Museums and collection all over the globe.

A friend of Nehru, Radhakrishnan and Tagore, Roerich loved India and its people as he loved his own. He enshrined that love and the spirit of India in his many glorious paintings of the Himalayas, which earned him the reputation, "Master of the Mountains." Roerich died in Naggar, Kulu on 13th December, 1947.

The Posts and Telegraphs Department deems it a privilege to commemorate the birth centenary of Prof. Roerich by the issue of a postage stamp.

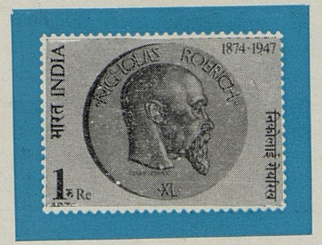

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख Date of issue	..	9-10-74
मूल्य वर्ग Denomination	..	1 रु. Re.
कुल आकार Overall size	..	3.91×2.90 सें. मी. cms.
मुद्रण आकार Printing size	..	3.56×2.54 सें. मी. cms.
प्रति शीट संख्या Number per issue sheet	..	35
रंग Colour	..	पीला और भूरा Yellow and Grey
छिद्रण Perforation	..	13×13

मुद्रित टिकटों की संख्या Number Printed	..	30,00,000
जलचिह्न	..	बिना जलचिह्न वाले चिपचिपे स्टाम्प कागज पर मुद्रित
Watermark	..	Unwatermarked adhesive stamp paper
मुद्रण प्रक्रिया Printing Process	..	फोटोग्रेव्योर Photogravure
डिज़ाइन और मुद्रण Designed and Printed at	..	भारत प्रतिभूति मुद्रणालय India Security Press

डिज़ाइन का विवरण

इस डाक-टिकट का अभिप्राय हेनरी ड्राप्सी द्वारा तैयार किए गए निकोलाई रोयरिख के एक तमगे से ग्रहण किया गया है।

DESCRIPTION OF DESIGN

A medallion of Nicholas Roerich done by Henry Dropsy has been adopted as the motif of the stamp.

बिक्री की शर्तें

विदेशों से नये डाक-टिकट व प्रथम दिवस आवरण के आर्डर भारतीय डाक-टिकट संकलन ब्यूरो, बड़ा डाकघर, बम्बई-400001 के पते पर भेजिये। आर्डर के साथ ऐसा बैंक ड्राफ्ट या क्रॉस चेक भी भेजिये जो भारत में भुनाया जा सके।

TERMS OF SALE

Overseas orders for the supply of the new stamps and First Day Covers should be addressed to the **Indian Philatelic Bureau, G.P.O.,** Bombay-400001 and be accompanied by a bank draft or crossed cheque encashable in India.

भारतीय डाक-तार विभाग
INDIAN POSTS & TELEGRAPHS

मूल्य
Price 10 पै० P.

Produced by the Directorate of Advertising & Visual Publicity, Ministry of I. & B., Govt. of India, New Delhi for the Indian Posts & Telegraphs Department and printed at the National Printing Works, Delhi-110006.

7/13/74—PPI.

davp

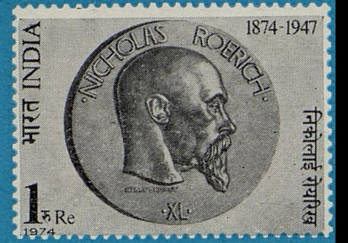

भारत INDIA

निकोलाई रोयरिख

स्मारक डाक-टिकट

NICHOLAS ROERICH

COMMEMORATION STAMP

9-10-74

'इन ब्यूटी वी आर यूनाइटेड
थ्रू ब्यूटी वी प्रे
विथ ब्यूटी वी कांकर'

(हम सभी सौंदर्य-पाश से बंधे हैं,
सुंदरता हमारी आराधना का सोपान है,
सौंदर्य से ही हमारी विजय है)

—यह था बहुमुखी प्रतिभा वाले प्रो. निकोलाई रोयरिख का जीवन-दर्शन। उनकी रचनात्मक गतिविधियां विविध और प्रचुर थीं। इनके कारण उन्होंने अनेक क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की थी।

रोयरिख एक श्रेष्ठ कलाकार, वैज्ञानिक, शिक्षक, दार्शनिक, लेखक, अभिकल्पक, कवि, मानवतावादी और अन्वेषक थे। इनका जन्म रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में तारीख 9 अक्तूबर, 1874 को हुआ था। इनकी शिक्षा सेंट पीटर्सबर्ग विश्वविद्यालय में हुई। वे इस विश्वविद्यालय में एक ही समय अनेक संकायों में अध्ययन करते रहे। बाद में विदेशों में उन्होंने कला का अध्ययन जारी रखा। विदेशों में शिक्षा के क्षेत्र में वैभवशाली सफलता प्राप्त कर सन् 1924 में वे भारत आए। यहां आकर उन्होंने मध्य एशिया के पर्वतीय क्षेत्रों में एक पंचवर्षीय कलात्मक/वैज्ञानिक अभियान का नेतृत्व किया। सन् 1928 में वे हिमालय की कुल्लू घाटी में आकर बस गए और अपने जीवन के अन्त तक वहीं रहे।

रोयरिख को अल्पवय में ही मान्यता और प्रसिद्धि

प्राप्त हो गई थी। युवावस्था में ही बहुत से महत्वपूर्ण कार्य उन्हें सौंपे गए थे। एक कलाकार के रूप में उन्होंने जो रचनात्मक कार्य किया, वह प्रचुर मात्रा में था। अनेक भित्ति-चित्रों के अलावा उन्होंने लगभग 7000 रंगीन चित्र बनाये थे और साथ ही रूस के अनेक गिरजाघरों व सार्वजनिक इमारतों के लिए पच्चीकारी (मोज़ेक) की उत्कृष्ट डिज़ाइनें तैयार कीं।

लेखक के रूप में भी उनकी रचनाओं की संख्या पर्याप्त है। कला, संस्कृति, पुरातत्त्व और दार्शनिक विषयों पर उन्होंने अनेक पुस्तकें, विविध लेख और निबंध लिखे। उनका प्रकाशित साहित्य लगभग 30 जिल्दों में है, जिनमें कविताएं और नाटक सम्मिलित हैं।

रोयरिख विश्व शान्ति के लिए प्रयत्न करने वाले एक महान सांस्कृतिक नेता और कार्यकर्त्ता थे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सौंदर्य और ज्ञान से मानवीय एकता स्थापित हो सकती है। वे अनेक देशों की सांस्कृतिक संस्थाओं और समितियों के संस्थापक और प्रेरक थे। उन्होंने शान्ति और बेहतर अंतर्राष्ट्रीय सद्भाव की स्थापना के लिए प्रयत्न किये। विश्व शांति की दिशा में उनका महान योगदान वह अंतर्राष्ट्रीय समझौता (पैक्ट) था, जिसके तहत युद्ध और नागरिक उथलपुथल के दौरान कला-निधियों और शैक्षणिक व वैज्ञानिक संस्थाओं की रक्षा की व्यवस्था की गयी।

अपने मानवतावादी कार्य में उन्हें अपनी पत्नी हैलेना और वैज्ञानिक व महान प्राच्यवेत्ता जार्ज तथा

प्रतिभाशाली कलाकार स्वेतोस्लाव नामक दो पुत्रों से बड़ा सहयोग मिला।

प्रो. रोयरिख ने सारे विश्व का भ्रमण किया था। मध्य एशिया, मंगोलिया और तिब्बत में अनेक अभियानों का नेतृत्व उन्होंने किया। कुछ पश्चिमी हिमालय के क्षेत्रों में उन्होंने मानव-वंशीय (एथनालाजिकल), भाषा-वैज्ञानिक, वानस्पतिक और प्राणि-जगत संबंधी सर्वेक्षणों का प्रबंध किया। अनेक देशों ने इनका सम्मान किया था और वे विश्व की विभिन्न अकादमियों, अनेक शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संस्थाओं के फैलो भी रहे। इनकी चित्रकला के नमूने विश्व के बड़े-बड़े संग्रहालयों में व कला-संग्रहों की शोभा बढ़ा रहे हैं।

नेहरू, राधाकृष्णन् और रवीद्रनाथ ठाकुर रोयरिख के घनिष्ठ मित्रों में थे। उन्हें भारत और भारत के लोगों से उतना ही प्यार था जितना अपने देश व देशवासियों से। उन्होंने अपना यह प्रेम और भारतीय भावना को हिमालय पर आधारित अपने अनेक यशस्वी चित्रों में अंकित किया है। इन्हीं चित्राकृतियों के कारण उन्हें 'मास्टर आफ दि माउन्टेन्स' यानी 'पर्वतों के आचार्य' के रूप में ख्याति मिली। इनका देहान्त 13 दिसम्बर, 1947 को नग्गर, कुल्लू में हुआ था।

प्रो. रोयरिख की जन्म-शताब्दी के अवसर पर एक स्मारक डाक-टिकट निकालकर डाक-तार विभाग गौरव का अनुभव कर रहा है।

'In Beauty we are united
Through Beauty we pray
With Beauty we conquer'.

Thus was the philosophy of the many-sided genius, Professor Nicholas Roerich, whose varied and prolific creative activities earned him an international reputation in a number of fields.

A master-artist, scientist, educator, philosopher, writer, designer, poet, humanitarian, explorer, Roerich was born in St. Petersburg, Russia on 9th October, 1874, and was educated at the University of St. Petersburg, where he attended several faculties simultaneously. Later, he continued his studies of Art abroad. After a brilliant academic career abroad, he came to India in 1924, where he led a 5 year artistic/scientific expedition through the mountainous regions of Central Asia. In 1928 he settled in the Kulu valley in the Himalayas where he lived the rest of his life.

Roerich achieved recognition and fame very early in life and was entrusted with some very important assignments when he was quite young. His creative output as

an artist was enormous; he painted some 7000 paintings besides many murals and designed outstanding mosaics for churches and public buildings in Russia.

He was also a prolific writer and wrote many books and innumerable articles, essays on Art, Culture, Archaeology and Philosophic subjects. His published works comprise some 30 volumes, which include his Poems and Plays.

A great cultural leader and worker for world peace, Roerich stressed that beauty and knowledge would unite humanity. He was the founder and inspirer of cultural institutions and societies in many countries. He worked for peace and better international understanding and one of his outstanding contributions to World Peace was his International Pact for the protection of Art Treasures and Educational and Scientific Institutions in times of war and civil commotions.

His humanitarian work was greatly assisted by his wife, Helena, and their two sons, George—a scientist and distinguished orientalist—and Svetoslav, the gifted artist.

Prof. Roerich travelled all over the world and led extensive expeditions to

सत्यमेव जयते

डाक–तार महानिदेशक, नई दिल्ली की ओर से अभिवादन सहित

With the compliments of The Director General of Posts & Telegraphs, New Delhi

निकोलाई रोयरिख

स्मारक डाक–टिकट

NICHOLAS ROERICH

COMMEMORATION STAMP

9–10–1974

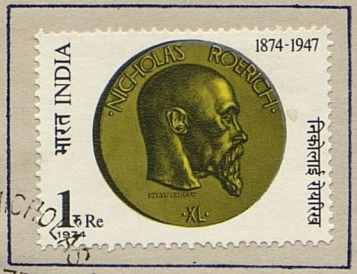

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 Re
1974
XL
निकोलाई रोयरिख NICHOLAS ROERICH
नग्गर 175130
NAGGAR
9-10-74

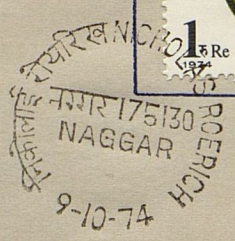

भारतीय डाक–तार विभाग INDIAN POSTS & TELEGRAPHS

सत्यमेव जयते

डाक–तार महानिदेशक, नई दिल्ली की ओर से अभिवादन सहित

With the compliments of The Director General of Posts & Telegraphs, New Delhi

निकोलाई रोयरिख

स्मारक डाक–टिकट

NICHOLAS ROERICH

COMMEMORATION STAMP

9–10–1974

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 Re
XL

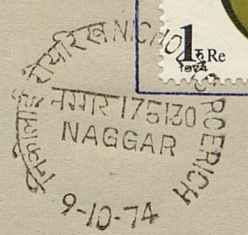
NAGGAR 175130
NAGGAR
9-10-74

भारतीय डाक–तार विभाग INDIAN POSTS & TELEGRAPHS

प्रथम दिवस आवरण FIRST DAY COVER 9.10.1974

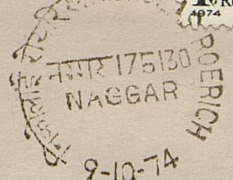

प्रथम दिवस आवरण FIRST DAY COVER 9.10.1974

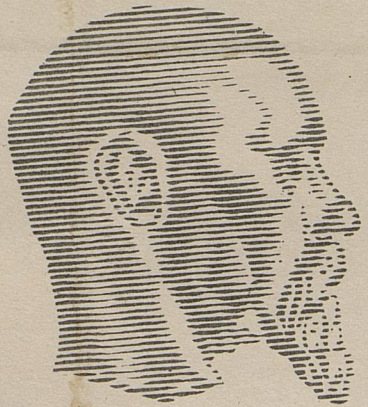

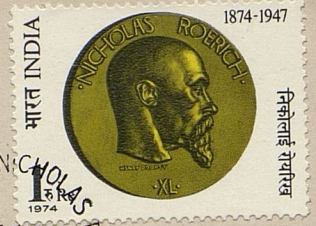

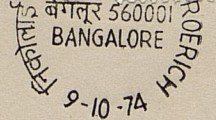

प्रथम दिवस आवरण FIRST DAY COVER 9.10.1974

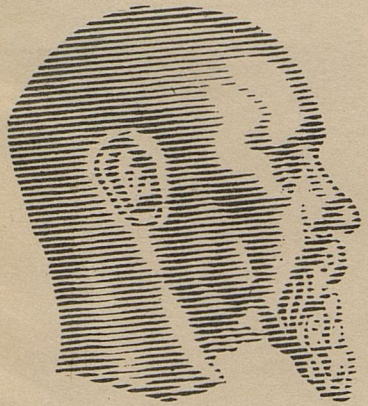

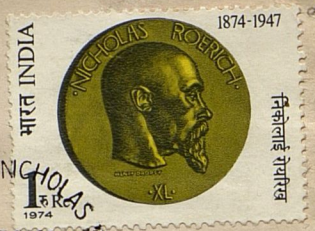

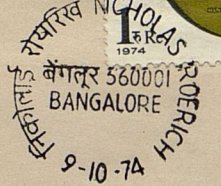

из Индии привез Святослав
Рерих

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

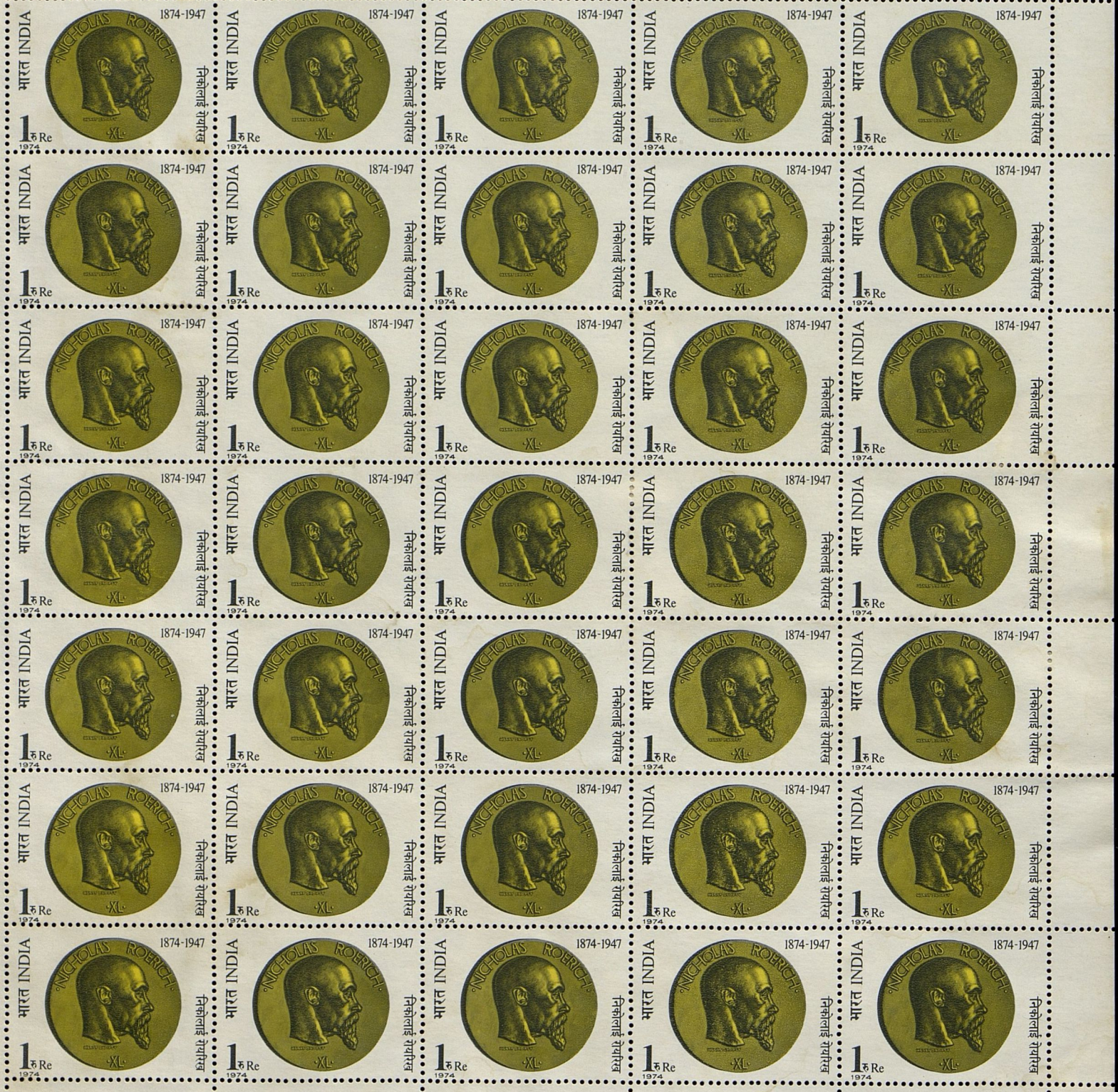
भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

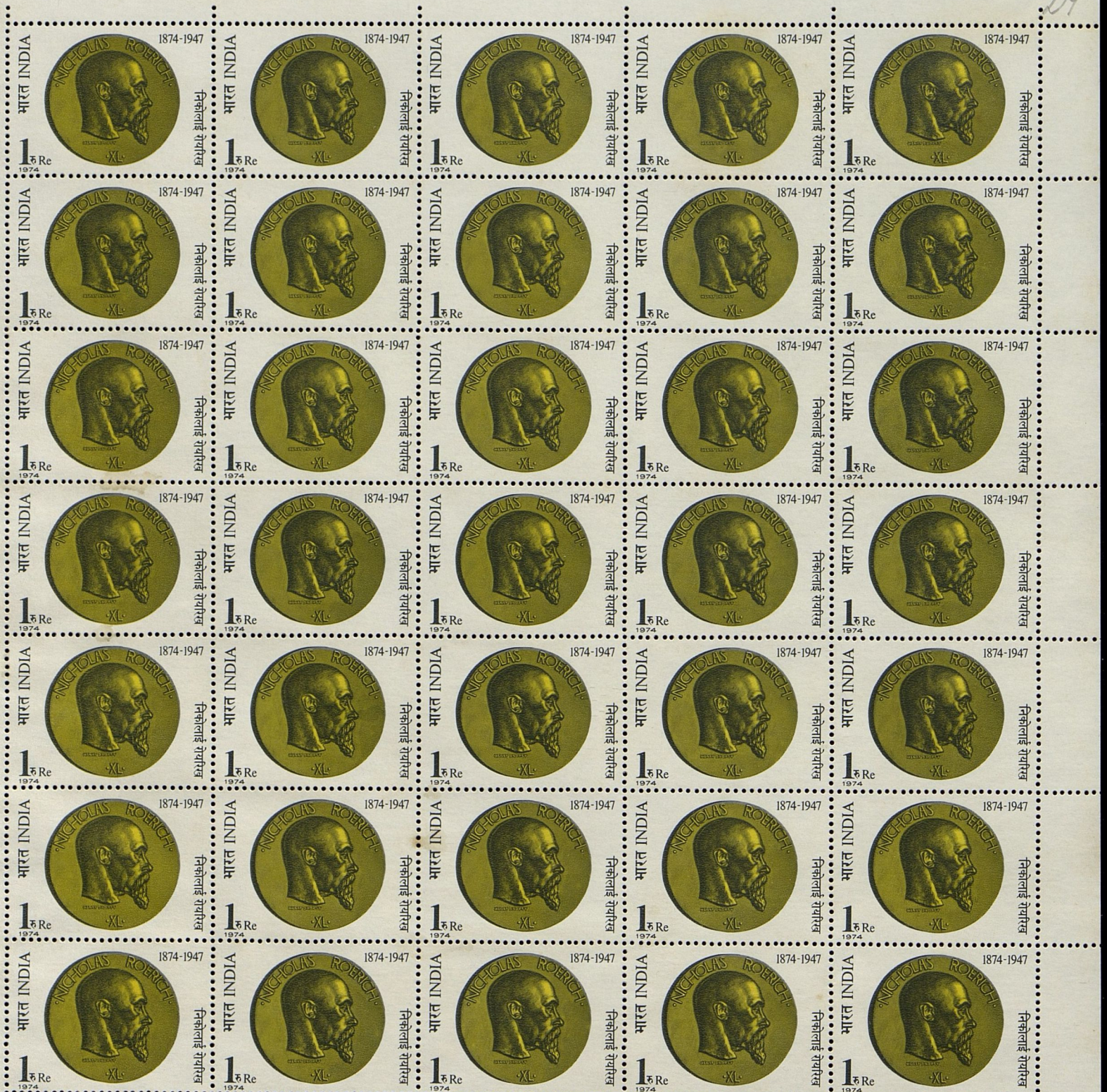
भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

NICHOLAS ROERICH
1874-1947
भारत INDIA
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

22
भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974

1874-1947
NICHOLAS ROERICH
भारत INDIA
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

NICHOLAS ROERICH
1874-1947
भारत INDIA
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोरिख
1 रु Re
1974
XL
15

14
भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोरिख
XL
1 रु Re
1974

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोरिख
1 रु Re
1974
XL
11

1874-1947
NICHOLAS ROERICH
भारत INDIA
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

9
भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
XL
1 रु Re
1974
निकोलाई रोरिख

8.
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
भारत INDIA
निकोलाई रोरिख
1 रु Re
1974
XL

7
भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

1874-1947
NICHOLAS ROERICH
भारत INDIA
निकोलाई रोरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

1874-1947
NICHOLAS ROERICH
भारत INDIA
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1874-1947
NICHOLAS ROERICH
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974

NICHOLAS ROERICH
1874-1947
भारत INDIA
निकोलाई रोयरिख
1 रु Re
1974
XL

भारत INDIA
1 रु Re
1974
NICHOLAS ROERICH
1874-1947
निकोलाई रोयरिख

PROGRAMME FOR THE ISSUE OF SPECIAL/COMMEMORATIVE POSTAGE STAMPS DURING 1974

Subject	Date of Issue	No. of Stamps	Denomination.
Indian Masks Series	15-4-1974	4	20 P 50 P Re.1 & Rs.2/-
Chhatrapati Shivaji	2-6-1974	1	25 P
Personalities Series			
(a) Utkal Gourab Madhusudan Dass	3-7-1974	3	25 P
Maithalisaran Gupta	3-7-1974		25 P
Jai Narayan Vyas	3-7-1974		25 P
(b) Tippu Sultan	15-7-1974	3	50 P
Max Muller	15-7-1974		Re 1/-
Veerasalingam-Panthlu	15-7-1974		25 P
Kamala Nehru	1-8-1974	1	25 P
Indian Wild Life Series.	15-9-1974	4	25 P, 50 P, Re.1/- & Rs.5/-
U.P.U. Series	3-10-1974	3	25 P, Re.1/- & Rs.2/-
Centenary Series.			
Archaelogical Museum Mathura	9-10-1974	4	25 P
Ram Charit Manas			50 P
Pro. Nicholas Roerich			Re. 1/-
Marconi			Rs. 2/-
Mahavira	13-11-1974	1	25 P
Children's Day Combind with UNICEF	14-11-1974	1	25 P
19th International Diary Conferences	2-12-1974	1	25 P
Indian Dances Series	16-12-1974	4	25 P, 50P, Rel/- and Rs.5/-
		30	

MVN

-ooOoo-